विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 27-12-2020

वर्ग षष्ठ शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

सर्वनाम शब्द रूप

तद् (वह,) पुल्लिंग शब्द के रूप -

तद् पुल्लिंग शब्द रूप: "तद् शब्द" नाम का पृष्ठ बनाएँ!खोज परिणाम भी देखें। में श्लोक में कुछ इस प्रकार अभिव्यक्त किया है- त्रि-भ्जे भुजौ तु भूमिस् तद्-लम्बस् लम्बक-अधरं खण्डम्। ऊर्ध्वं अवलम्ब-खण्डं लम्बक-योग-अर्ध अधर-ऊनम्॥

तद् (वह, वे) अन्यपुरुष, पुं० -

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	सः	तौ	ते
द्वितीया	तम्	तौ	तान्
तृतीया	तेन	ताभ्याम्	तैः

चतुर्थी	तस्मै	ताभ्याम्	तेभ्यः
पंचमी	तस्मात्	ताभ्याम्	तेभ्यः
षष्ठी	तस्य	तयोः	तेषाम्
सप्तमी	तस्मिन्	तयोः	तेषु

तद् पुल्लिंग शब्द रूप के विशेष- तृतीया आदि विभक्तियों में पुँल्लिंग 'तद्' शब्द के समान रूप होंगे। उदाहरण के लिए प्रातिपदिक (शब्द) में सुप् प्रत्यय लगाकर बने पदों की कारक के अनुसार अर्थयुक्त तालिका आगे प्रस्तुत हैं।